



任德超直集

徐邦述署



中国文联出版社

任德超画集

作者简介

任德超（1927-），笔名恨石，河南省南阳地区南召县人，别署三南恨石。早年就学于河南信阳艺专，师从李浴、丁折桂二教授；五十年代初，私淑李苦禅大师。

现任内蒙古文史馆馆员，包头市书画院副院长，曾任内蒙古美术家协会理事，包头市第六、七届政协委员，呼和浩特铁路局文联副主席，为民盟盟员。



任德超画集

中国文联出版社出版发行
北京农展馆南里 10 号 (100026)
全国新华书店经销 深圳市福田区东亚印刷厂印刷
开本: 1194 × 889 1/12 印张: 9
1999 年 10 月第 1 版 1999 年 10 月第一次印刷
印数: 1~2500 册
ISBN 7-5059-3337-X/1.2538
定价: 98 元

序

许 淇

任德超先生，相知数十春秋矣！忆昔寄居包头旧城，时相过从，余每得暇往访之。其时先生寓平瓦毗连两室，一置画案，一为家人起居，有篱间隔各围栏盾，环壁萧然，先生箪食瓢饮，如颜子不改其乐；无以待客，一帷新砚墨汁一盞而已。观先生画，片纸短幅，神矣化矣！目前先生蒙上级关怀迁居青城，风雨流年，欣逢盛春，先生古稀而后得其所哉！

中国画自明清以来，重写意文人画，皆甘为雪个、青藤“门下走狗”，具板桥之倡“真气、真意、真趣”是也，近人诸如吴昌硕、齐白石等大家承前启后，开一代写意花卉风气，足为吾人楷模。德超先生数十年如一日，依然一南阳布衣，于绘事独行踽踽，以不变应万变，以万变超一统；探得骊珠，临池养蓄；笔情墨趣，妙在精熟；运锋落笔如风发霆震，泼墨敷彩如雨韵虹现，劲健朴厚，画与人皆老矣！

昔先生举办画展，余曾序之，现复辑集新作，蔚为大观，粲然陈前，亦雅好者之乐事也；画册付梓既成，嘱余再志数语，余不佞，信手直书，勉力为序。时己卯三九之年又逢五九，淇竹斋主许淇于秋灯午夜。

跋

我迷醉中國畫愛上水墨交融造型奇葩每遇好
題輒停足觀賞心向往之者于包所沒見恨石先生更作散
文苦禪大師風貌又與苦禪同工而異采于是深愛其画
心傳予人可以為恨石之作尚以真簡新陳四字贊之真為
勤矣附言謹識尚是爐火純青之標志新編含浩漫生機
神乃風格之確強而健很而先生狀若鮮龍寫意情深剛
毅就简領異標弱簡而厚一粒粟中藏世界新而奇于一
片虛虛才財力半窮練而秀老中布散蒼穹中含潤并以
黑毫取重之骨故重之神故畫之韻白石老人嘗謂
其弟子苦禪之詩即以然煮水勉勵藝術之真不亞墨師
皆有苟非其人一生難得恨石私淑苦禪亦以真字砥礪
蘊胸研磨人生故事風流皆通靈性生生本身亦性情才
人方得此大境界複是大自然在高處恨石抱朴守世遂安
身跋丘以志敬莫

張長青於己卯仲秋



目 录

序

跋

| | | | | | |
|-----|-----------------|-----|-----------|-----|---------|
| 1. | 李苦禅大师为任德超所作芙蓉题款 | 38. | 仙子祝寿 | 75. | 夏日晴晓 |
| 2. | 花枝俏 | 39. | 常青 | 76. | 一家子 |
| 3. | 荷塘清趣 | 40. | 寿康 | 77. | 育雏图 |
| 4. | 天香 | 41. | 大寿·紫曦 | 78. | 凝香·浓荫嬉戏 |
| 5. | 高瞻远瞩 | 42. | 霜晨 | 79. | 妖红 |
| 6. | 双寿图·南国一秀 | 43. | 东篱秋色 | 80. | 双栖 |
| 7. | 报晓 | 44. | 斗艳 | 81. | 岁岁平安 |
| 8. | 素食长寿·悠闲 | 45. | 霜秋冷艳 | 82. | 窃窃私语 |
| 9. | 朝晖 | 46. | 晨趣 | 83. | 秋深蟹肥 |
| 10. | 珠圆玉润 | 47. | 紫气东来·笔底明珠 | 84. | 三秋 |
| 11. | 秋韵 | 48. | 秋韵 | 85. | 南塘绿满·佳珍 |
| 12. | 福瓢 | 49. | 庭院一隅·硕果 | 86. | 蕊寒香冷 |
| 13. | 雄风 | 50. | 群雀 | 87. | 婷婷玉立·清香 |
| 14. | 俯瞰 | 51. | 拂晓·甜蜜蜜 | 88. | 浓芳 |
| 15. | 英姿 | 52. | 洛阳春 | 89. | 拒霜 |
| 16. | 红芳晓露 | 53. | 墨趣 | 90. | 映日 |
| 17. | 冰心玉洁 | 54. | 浓春 | 91. | 浓香 |
| 18. | 美人初醉 | 55. | 不染 | 92. | 凌波仙子 |
| 19. | 出水芙蓉 | 56. | 菡萏 | 93. | 伫 |
| 20. | 湘妃雨后 | 57. | 别样红 | 94. | 临风·清供 |
| 21. | 晓风 | 58. | 风露万顷 | 95. | 梅香 |
| 22. | 铁骨生春 | 59. | 雄姿 | 96. | 秋实 |
| 23. | 松鹰图 | 60. | 鱼乐图 | 97. | 临风待举 |
| 24. | 欲滴 | 61. | 傲骨 | 98. | 老骥伏枥 |
| 25. | 傲霜 | 62. | 溢香 | | |
| 26. | 香雪 | 63. | 俏不争春 | | |
| 27. | 雪魄冰魂 | 64. | 长相依 | | |
| 28. | 细语 | 65. | 农家乐 | | |
| 29. | 相聚 | 66. | 野趣 | | |
| 30. | 群鸡图 | 67. | 秋味 | | |
| 31. | 母子情 | 68. | 芦花双雀·蒲塘深秋 | | |
| 32. | 期待 | 69. | 共享春泽 | | |
| 33. | 小憩 | 70. | 红晕 | | |
| 34. | 绝艳 | 71. | 洁如玉·有余 | | |
| 35. | 小蕾深藏数点红 | 72. | 如意图 | | |
| 36. | 觅 | 73. | 素食长寿 | | |
| 37. | 游春 | 74. | 闹红 | | |

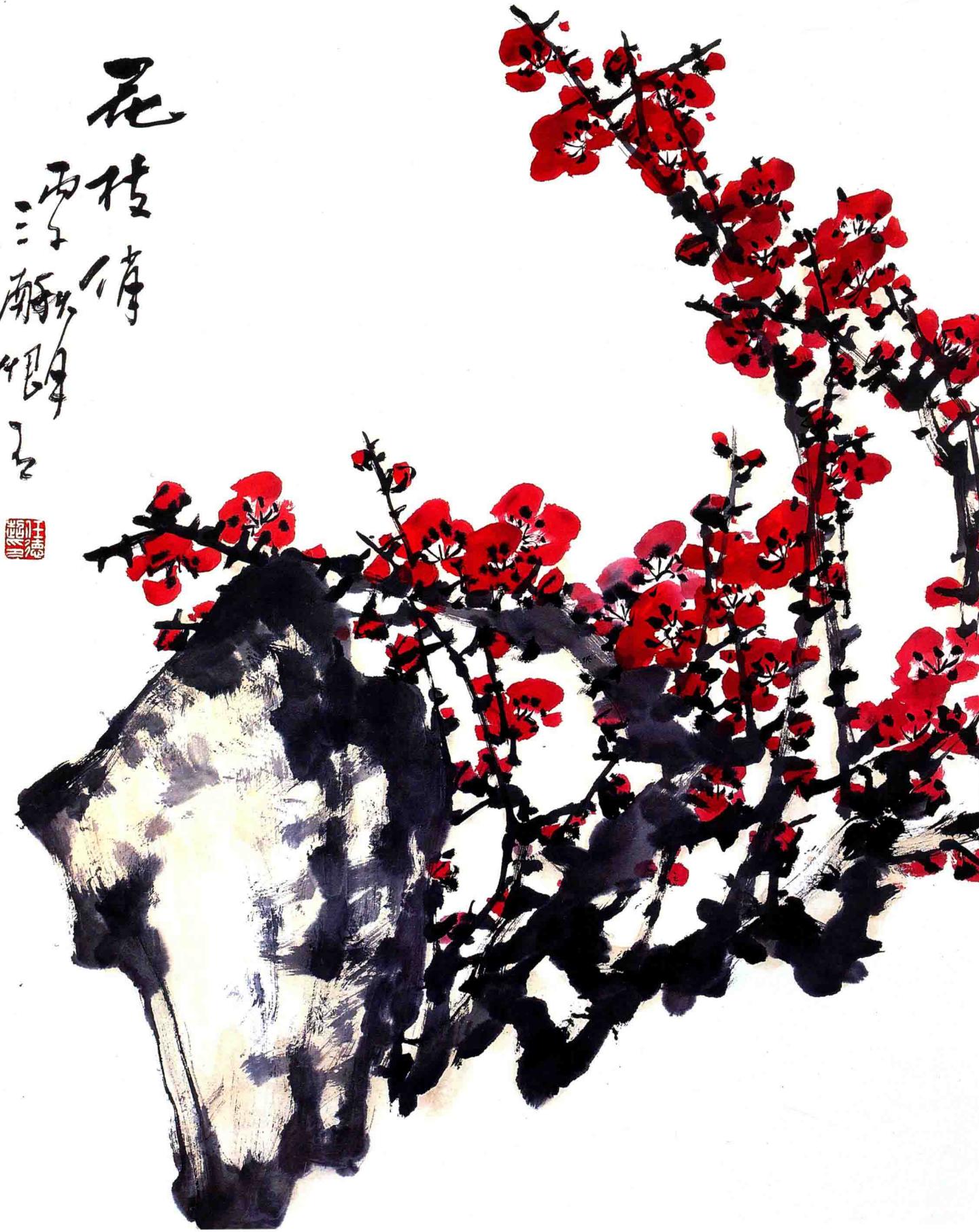


李苦禪大师為任德超所作芙蓉題款

粗枝大叶
拒霜魄力
癸卯年三月
苦禅題

粗枝大叶拒霜魄力 癸卯春三月苦禅題

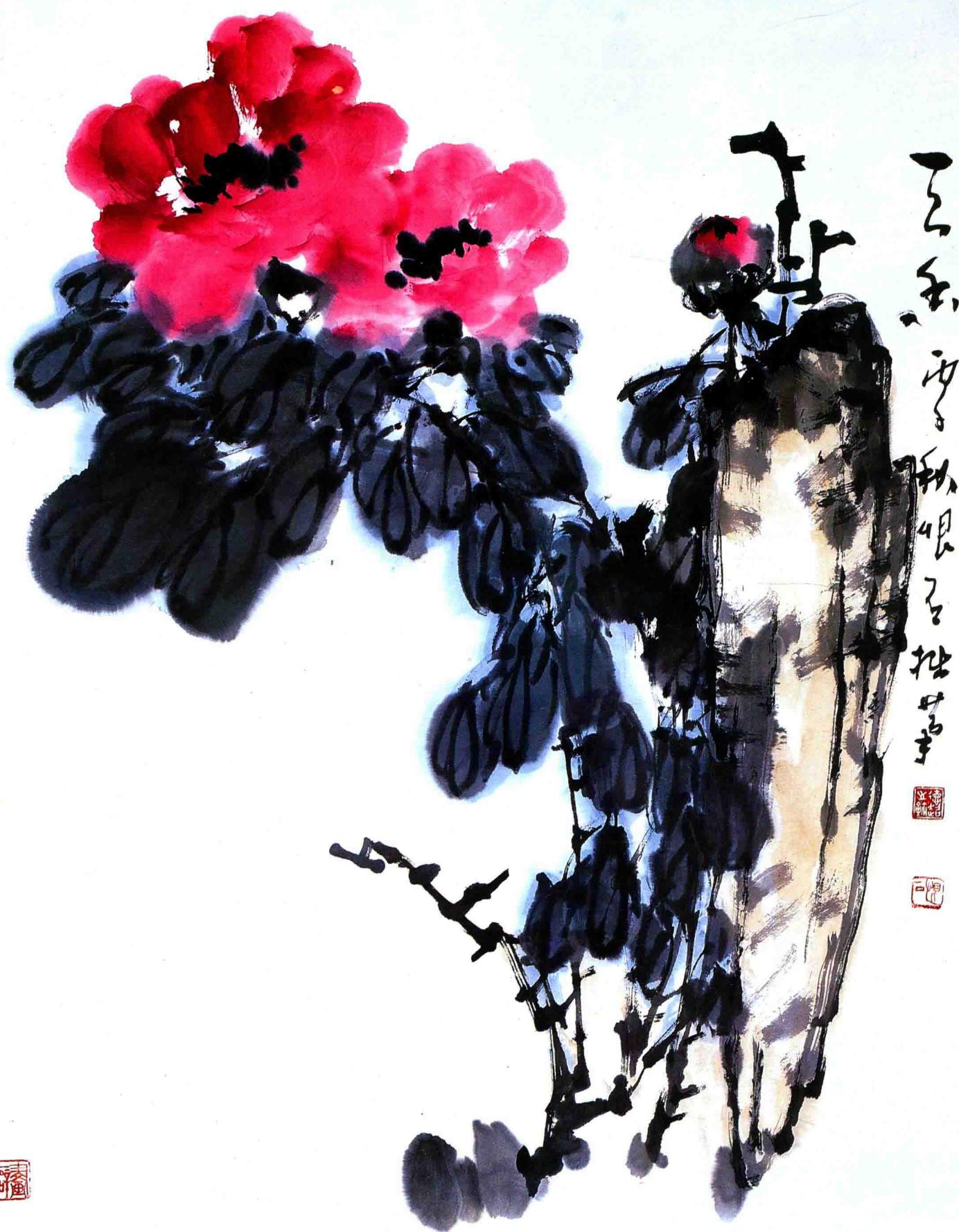
花枝尚
雨中醉
醉即
任伯年

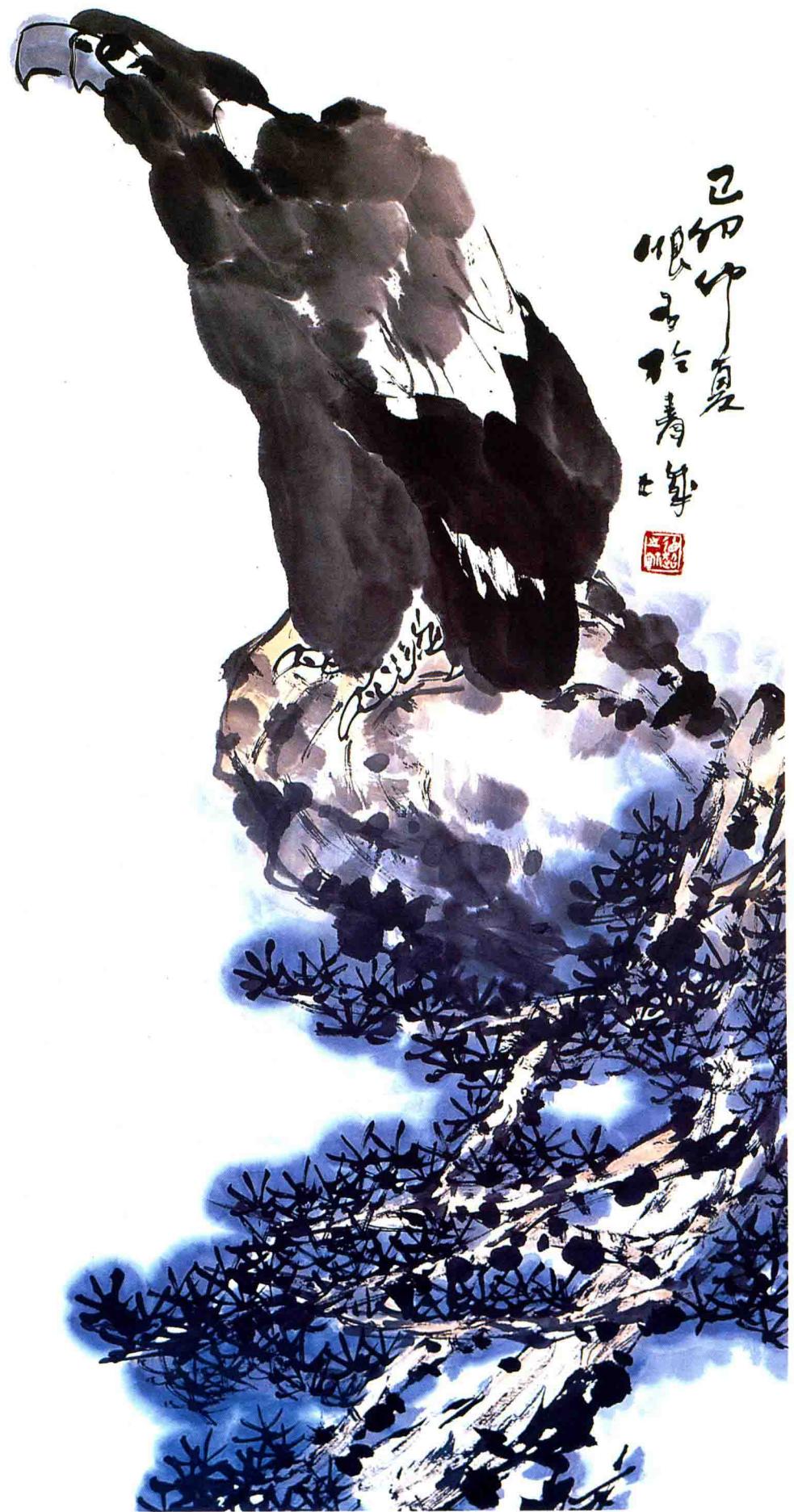


花枝尚



天香





高瞻远瞩



双寿图



南国一秀



報曉



素食长寿



悠闲





珠圓玉潤

秋韵

王



秋韵